

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-XI

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेयाः। 2×10=20
- নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো :
- (a) को देवः 'मघवा' इत्युच्यते? प्रासङ्गिको मन्त्रांशो प्रदेयः।
কোন দেবতাকে 'মঘবা' বলা হয়েছে? প্রাসঙ্গিক মন্ত্রাংশটি উল্লেখ করো।
- (b) 'स विद्वाँ आ च पिप्रयः' - इत्यत्र 'विद्वाँ आ' इत्यस्य सन्धिः पाणिनिसूत्रानुसारेण साधनीयः।
'स विद्वाँ आ च पिप्रयः' - এই মন্ত্রে 'বিদ্वाঁ আ' এই সন্ধি পাণিনিসূত্রানুসারে করো।
- (c) 'यविष्ठ _____ गिरा' - इत्यत्र रिक्तस्थानद्वयं पूरयित्वा मन्त्रस्य उत्सो वक्तव्यः।
'यविष्ठ _____ गिरा' - উদ্ধৃত মন্ত্রাংশে শূন্যস্থানদুটি পূর্ণ করে মন্ত্রটির উৎস নির্ণয় করো।
- (d) को देवः अरेः पुष्टानि गृह्णाति? अयं विषयः केन सह तुल्यते?
কোন দেবতা শক্রের সম্পদ-সমূহ গ্রহণ করেন? এই বিষয়টি কার সাথে তুলনা করা হয়েছে?
- (e) को नाम देवः कतमे वत्सरे शम्बरमन्विष्य अलभत? मन्त्रांशश्च उल्लेखनीयः।
কোন দেবতা কত বৎসরে শম্বরকে খুঁজে পেয়েছিলেন? (প্রাসঙ্গিক) মন্ত্রাংশটি বলো।
- (f) विलापपरः कितवः तस्य भार्यायाः कान् गुणान् अनुस्मरति?
বিলাপকালে কিতব তাঁর স্ত্রীর কোন কোন গুণ অনুসরণ করেন?
- (g) 'राजा चिदेभ्यो नम इत् कृणोमि' - कोऽत्र राजा? 'एभ्यः' इति पदेन केषां बोधः परामुश्यते?
'राजा चिदेभ्यो नम इत् कृणोमि' - এই মন্ত্রাংশে রাজা কে? 'এভ্যঃ' পদের দ্বারা কাদের বোধান হয়েছে?
- (h) ऋग्वेदसंहितायां कस्मिन् मण्डले देवीसूक्तम् आम्नातम्? तस्मिन् सूक्ते कति मन्त्रा आम्नाताः?
ঋগ্বেদসংহিতায় কোন মণ্ডলে 'দেবীসূক্ত' আন্নাত? সেই সূক্তে ক'টি মন্ত্র আছে?
- (i) का देवता कथं रुद्राय धनुः विस्तृतवती? प्रासङ्गिको मन्त्रांशः प्रदेयः।
কোন দেবতা রুদ্রের জন্য কী কারণে ধনুককে বিস্তৃত করেন? প্রাসঙ্গিক মন্ত্রাংশটি বলো।
- (j) 'जनासः' इति वैदिकं रूपं व्याकरणोक्तदिशा प्रतिपाद्यताम्।
'जनासः' এই বৈদিক শব্দটি ব্যাকরণের অনুসারে প্রতিপাদন করো।

- (k) शस्त्रस्तोत्रयोरेकतरस्य व्याख्या कार्या।
शस्त्र ও স্তোত্র শব্দদুটির মধ্যে একটির ব্যাখ্যা করো।
- (l) माध्यन्दिनंसवम् आग्नेयक्रतुं वेत्यस्य टिप्पणी विधेया।
মাধ্যন্দিনসবন অথবা আগ্নেয়ক্রতু সম্বন্ধে টীকা নির্ণয় করো।
- (m) ईशोपनिषद् इति नाम्नि किं बीजम्?
ঈশোপনিষদ্ - এরূপ নামকরণে উৎস কী?
- (n) किं नाम तत्त्वं विशेषतः वर्णितम् ईशोपनिषदि?
ঈশোপনিষদে কোন্ তত্ত্ব বিশেষভাবে আশ্রিত হয়েছে?
- (o) 'अनेजदेकं मनसो जवीयः' - इत्यस्य तात्पर्यं लिखत।
'অনেজদেকং মনসো জবীয়ঃ' - এই মন্ত্রাংশের তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र यत्किञ्चन द्वितयं सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে যে কোনো দুটির উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।
- (a) 'स वोधि सुरिर्मघवा
वसुपते वसुदावन्।
युयोध्यऽस्मद्द्वेषांसि॥'
— इति मन्त्रस्य कोष्ठके वैदिकशब्दं प्रदाय वङ्गभाषया अनुवाद इष्यते।
— बङ्गनीते मूल वैदिक शब्द देखिये मन्त्रটির বাংলায় অনুবাদ করো।
- (b) अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां
चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।
तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा
भूरिस्थानां भूर्यविशयन्तीम्॥
— इति ऋक् ऋषिच्छन्दोदेवतानिर्देशपूर्वकं सायणभाष्योक्तदिशा सुरगिरा व्याख्येया।
— 'अहं राष्ट्री -' इत्यादि शब्दটির अर्थ, छन्दः ও দেবতার নির্দেশ করে सायण-भाष्यमतानुयायी संस्कृते व्याख्या करो।
- (c) उपरिलिखितयोः (a)-(b)-स्थितयोः मन्त्रयोः कस्यचिदेकस्य मन्त्रस्य सस्वरः पदपाठः प्रदर्शयताम्।
উপরে (a) এবং (b) প্রশ্নে লিখিত মন্ত্র দুটির যে কোনো একটিকে স্বরসম্বন্ধ প্রদর্শনপূর্বক পদপাঠে পুনরায় লেখো।
- (d) 'अन्धं तमः' प्रविशन्ति येऽसम्भूतिमुपासते।
ततो भूय इव ते तमो य उ सम्भूत्यां रताः॥
— इति मन्त्रः भाष्योक्तदिशा संस्कृतेन व्याख्येयः।
— 'अन्धः तमः -' इत्यादि मन्त्रটি ভাষ্যানুসারী সংস্কৃতে ব্যাখ্যা করো।

(e) অকারান্তশব্দরূপাণাং বৈদিকপ্রয়োগবিষয়ে নিবন্ধো বিবচনীযঃ।

বৈদিক অকারান্ত শব্দরূপের প্রয়োগবৈচিত্র্য দেখাও।

(f) কেবলং চন্দ্রোমাত্রগোচরস্য লকারস্য প্রয়োগান্ বিবৃণুত।

কেবল বেদেই ব্যবহার্য লকারের প্রয়োগসমূহ দেখাও।

3. অধস্তনযোঃ প্রশ্নযোরেকতরমাশ্রিত্য নাতিদীর্ঘো নিবন্ধো বিবচনীযঃ :

10

নীচের প্রশ্নদুটির যে কোনো একটির উত্তর দাও :

(a) ঈশোপনিষদি আম্নাতমাत्मस्वरूपं যথাযথং পর্যালোচ্যতাమ్।

ঈশোপনিষদ্ অবলম্বনে আত্মার স্বরূপ বিবৃত করো।

(b) ঈশোপনিষদঃ আয়মন্ত্রদ্বয়স্য দার্শনিকং তাৎপর্যং সুচু নিরূপ্যতাమ్।

ঈশোপনিষদের প্রথম দুটি মন্ত্রের দার্শনিক তাৎপর্য উত্তমরূপে নিরূপণ করো।

4. অধোলিখিতযোঃ প্রশ্নযোরন্যতরস্য আশ্রয়ং বিবৃণুত :

10

নীচের যে কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) অগ্নেঃ ইন্দ্রস্য বা মাহাত্ম্যং ভবদধীতবেদভাগমাধারীকৃত্য মন্ত্রোদ্ধরণপূর্বকং সমুপবর্ণ্যতাమ్।

তোমার পাঠ্যাংশের অবলম্বনে যথাযথ মন্ত্র উদ্ধৃতিসহযোগে অগ্নি অথবা ইন্দ্রের মাহাত্ম্য বিবৃত করো।

(b) পদপাঠে ইতিকরণস্য অবগ্রহস্য বা বৈশিষ্ট্যং সুচু সোদাহরণম্ পর্যালোচ্যতাమ్।

পদপাঠে ইতিকরণ অথবা অবগ্রহের বৈশিষ্ট্য উত্তমভাবে সোদাহরণ ব্যাখ্যা করো।